भाषा और साक्षरता

# बच्चों के साहित्य को जानना और उपयोग करना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

# संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

| समीक्षा एवं दिशाबोध |
|---|
| डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् |
| डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |

| स्थानीयकरण |
|---|
| **भाषा और शिक्षा** |
| डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली |
| श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान |
| श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना |
| श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा |
| **प्राथमिक अंग्रेज़ी** |
| श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा |
| श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग |
| श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा |
| श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना |
| **माध्यमिक अंग्रेज़ी** |
| श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर |
| डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना |
| **प्राथमिक गणित** |
| श्री कृष्ण कान्त ठाकुर |
| श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा |
| श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण |
| **माध्यमिक गणित** |
| डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट |
| श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर |
| श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली |
| **प्राथमिक विज्ञान** |
| श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर |
| श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर |
| श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा |
| **माध्यमिक विज्ञान** |
| श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद |
| श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली |

*TESS-India (Teacher Education Through School Based Support)* का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के विद्यार्थी –केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

*TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को विद्यालय की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं।* ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने थ्वद्यार्थियों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

*TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल* हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* । मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

*TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।*

***वीडियो संसाधन***

*इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है:* *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

*TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।*

*TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।*

*संस्करण 2.0 LL08v1*
*Bihar*

*तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है. http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/*

*TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government*

## यह इकाई किस बारे में है

भारत में मौखिक और लिखित साहित्य की एक समृद्ध विरासत है। बाल कहानियों और कविताओं के अच्छे ज्ञान के साथ, आप इस विरासत तथा हमारे देश की भाषाओं, इतिहास और संस्कृतियों के स्वामित्व का महत्व जानने और आनंद लेने में अपने छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

इस इकाई में आप:

- बाल साहित्य के अपने ज्ञान की समीक्षा करेंगे और अपनी जानकारी को व्यापक करने के लिए क़दम उठाएँगे
- बाल कथाओं की विशेषताओं पर ग़ौर करेंगे
- अपने छात्र–छात्राओं का साहित्य से परिचय करवाने के लिए कुछ सरल कक्षायी गतिविधियों को क्रियान्वित करेंगे।

## आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- आपके छात्र–छात्रा बेहतर ढ़ंग से साहित्य संबंधी अपने ज्ञान का परीक्षण और उसका विस्तार कैसे करें।
- उच्च गुणवत्ता वाले बाल साहित्य की विशेषताओं को कैसे पहचानें।
- कक्षा में कहानियों और कविताओं के उपयोग करने के तकनीक की समझ

## यह दृष्टिकोण क्यों महत्वपूर्ण है

कहानियाँ और कविताएँ बच्चों के ग्रहणशील और उपयोगी भाषा कौशल को विकसित करते हुए, उनके तत्काल अनुभव से परे बच्चों की दुनिया को समृद्ध बनाने के लिए एक बड़े स्रोत का प्रतिनिधित्व करते हैं। बचपन में कहानियाँ और कविताएँ सुनने का सकारात्मक अनुभव, स्वयं कहानियाँ और कविताएँ पढ़ने की इच्छा को प्रेरित करेगा, जो उनके साक्षरता विकास में सहायक होगा। यह इकाई आपको आनन्ददायी तरीके से अपने छात्र–छात्राओं की भाषा और साक्षरता कौशल के विकास के लिए कक्षा में पारंपरिक और आधुनिक कहानियों और कविताओं के अपने ज्ञान का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

## 1 आपके बाल साहित्य का परीक्षण और ज्ञान का विस्तार

आप बाल साहित्य के अपने खुद के ज्ञान का परीक्षण शुरू करेंगे।

### गतिविधि 1: आपके बाल साहित्य ज्ञान का परीक्षण

आप संभवतः अपने छात्र–छात्राओं के लिए साहित्य का मुख्य स्रोत हो सकते हैं। इसलिए यह महत्त्वपूर्ण है कि आपको अपने छात्र–छात्राओं की उम्र और स्तर के अनुरूप ऐसी अनेक कहानियों और कविताओं की जानकारी हो, जिन्हें आपने क़िताबों में पढ़ा था या अपनी याद्दाश्त से सुना सकें।

यह परीक्षण कोई परीक्षा नहीं है। इसका उद्देश्य आपके बाल साहित्य से संबंधित ज्ञान शुरुआती बिंदु की पहचान करने में मदद करना है। यथासंभव ईमानदारी के साथ उत्तर देने का प्रयास करें। आपको याद आने वाले कुछ उदाहरणों को नोट करें। साथ ही, अपने किसी सहकर्मी से उनके ज्ञान का परीक्षण करने के लिए कहें। अंत में उनके साथ अपने जवाब साझा करना दिलचस्प होगा।

क्या आप स्मृति से सुना सकते हैं:

- छात्र–छात्राओं के लिए कोई कविता?
- छात्र–छात्राओं के लिए कोई तुकांत कविता?

क्या आप स्मृति से सुना सकते हैं:

- छात्र–छात्राओं के लिए कोई लोक कथा?

- कोई छोटी ऐतिहासिक कथा?

क्या आप बता सकते हैं:

- किसी बाल कहानी या लोक कथा के किसी पात्र का नाम?
- छात्र–छात्राओं की किसी कविता या तुकांत कविता के किसी पात्र का नाम?

क्या आप बता सकते हैं:

- बाल कथा पुस्तिका का नाम?
- बाल कविता पुस्तक का नाम?
- किसी भारतीय बाल लेखक का नाम?
- किसी भारतीय बाल कवि का नाम?

यदि संभव है, तो अपने किसी सहकर्मी के साथ अपने परीक्षण और अपने विचारों की तुलना करें।

### ज़रा सोचिये

- क्या आप और आपके सहकर्मियों का बाल ग्रंथों और लेखकों के बारे में ज्ञान समान है या अलग? क्या कोई ऐसा ज्ञान है जिसे आप साझा कर सकते हैं?
- क्या आजकल छात्र–छात्राओं को बचपन की कहानियाँ और कविताएँ सुनाई जा रही हैं?
- क्या आप अपनी कक्षा में किसी कहानी या कविता का उपयोग करते हैं? क्यों या क्यों नहीं?

शायद आपने अपने बचपन में सुनी कुछ कहानियों और कविताओं को याद किया होगा। शायद आपको शिष्ट व्यवहार से संबंधित छात्र–छात्राओं के लिए कोई नैतिक संदेश या चेतावनी वाली लोक-कथा अथवा स्कूल के खेल के मैदान में सुनाई जाने वाली कोई तुकांत कविता याद हो। आपने शायद किसी क़िताब में कभी पढ़ें बिना - इन कहानियों या कविताओं को घर पर, समुदाय और स्कूल में सुन कर सीखा होगा। हो सकता है कि आप लोक कथाओं या कविताओं से अधिक परिचित हों, और आपके सहकर्मी आर. के. नारायण, अनंत पई या रस्किन बॉण्ड जैसे बाल लेखकों की कहानियों को याद कर सकते हों। संभव है, आजकल छात्र–छात्राओं के द्वारा पढ़ी जाने वाली कहानियाँ इसी ताह की हों या न हों। टेलीविज़न, कॉमिक सीरिज़ या स्थानीय दंत कथाओं से जानी गई ऐसी भी नई कहानियाँ हो सकती हैं, जिनमें छात्र–छात्राओं की दिलचस्पी हो। इन नई-पुरानी कहानियों को आपकी कक्षा में एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, ताकि पढ़ाते समय कहानियों का भंडार विकसित करने में वे उपयोगी हों।

### गतिविधि 2: आपके बाल साहित्य संबंधी ज्ञान का विस्तार

अब अपने परीक्षण के निर्माण की योजना तैयार करें। अपने पढ़ने के लिए स्वयं एक लक्ष्य निर्धारित करें:

- दो बाल लेखक, जिनसे आप परिचित नहीं
- दो बाल कवि, जिनसे आप परिचित नहीं

अपने सहकर्मियों के साथ अपने विचारों को साझा करें।

## 2 कक्षा में उपयोग के लिए साहित्य का चयन

अगली गतिविधि में, आप उच्च गुणवत्ता वाले बाल साहित्य की विशेषताओं पर गंभीरता से विचार करेंगे।

## गतिविधि 3: बाल साहित्य का मूल्यांकन

बाल साहित्य का रेंज काफी बड़ा है। अब आप दो उदाहरणों पर ग़ौर करेंगे: क़िताब *एन्युअल हेयरकट डे* (संसाधन 1) और कहानी 'युवती जिसने साँप से शादी की' (संसाधन 2).

दोनों पाठ अपने आप को या किसी सहकर्मी को ज़ोर से पढ़ कर सुनाएँ। जब आप पढ़ रहे हों, तब निम्न प्रश्नों के बारे में ध्यान से सोचे:

- दोनों कहानियों के बीच अंतर क्या हैं?
- क्या आप किसी एक को दूसरे की तुलना में बेहतर मानते हैं?
- प्रत्येक पाठ की सकारात्मक विशेषताओं के बारे में आप क्या सोचते हैं?

फिर से *एन्युअल हेयरकट डे* को देखें और निम्न प्रश्नों का उत्तर दें:

- कहानी क्यों नहीं 'कई साल पहले...' या 'एक समय की बात है ...' जैसे शब्दों के साथ शुरू नहीं होती, जैसा कि कई कहानियों में होता है?
- क्या आपके विचार में चित्र ज़रूरी हैं? क्यों या क्यों नहीं?
- आपके विचार में आपके छात्र–छात्राओं को कहानी के मामले में क्या पसंद आएगा?

दूसरों के विचारों के साथ अपने विचारों की तुलना करें।

*एन्युअल हेयरकट डे* एक छोटी, जीवंत चित्र-पुस्तिका है। चित्रों में ऐसे लोगों और स्थानों को दिखाया गया है, जो समकालीन और परिचित हैं। उनमें कई, जैसे कि नाई की दुकान और व्यस्त घर, में मनोरंजक विवरण शामिल हैं जो देखने तथा चर्चा के लिए दिलचस्प लगते हैं।

जहाँ पाठ सरल और दोहराव वाला है, वह बखूबी जटिल भाषा संरचनाओं का निर्माण करता है:

> **उदास महसूस करते हुए**, श्रृंगेरी श्रीनिवास घर वापस चला गया...
>
> **थोड़ा नाराज़ महसूस करते हुए**, श्रृंगेरी श्रीनिवास अपने दोस्त के पास गया...
>
> **अब थोड़ा चिंतित होकर**, श्रृंगेरी श्रीनिवास एक और दोस्त के पास गया...
>
> **आँसू भरी आँखों के साथ**, वह दूर चला गया...।

*एन्युअल हेयरकट डे* जैसी पुस्तकें विशेष रूप से नए पाठकों को स्वतंत्र रूप से पढ़ना सीखने में मदद करने के लिए बनाई गई हैं। इनमें ध्यानपूर्वक चयनित परिचित शब्द और वाक्यांश शामिल हैं। छात्र–छात्रा पाठ का अर्थ समझने के लिए 'संकेत' के रूप में चित्रों का उपयोग कर सकते हैं।

जब छात्र–छात्रा इस तरह की कहानियाँ सुनते या पढ़ते हैं, तो वे अन्य पुस्तकों में उन्हीं शब्दों और वाक्यांशों को पहचानना शुरू कर देंगे और अपने स्वयं की बातचीत और लेखन में इस ज्ञान को लागू करने लगेंगे।

इस तरह की कहानियाँ छोटे बच्चों को बोलने और सुनने के लिए भी प्रोत्साहित करने के लिए उपयोगी होती हैं, जब वे तस्वीरों और कहानी में घटित होने वाली घटनाओं के संबंध में सवालों के जवाब देने लगते हैं।

इस तरह की कहानियाँ बच्चों के अनुकूल हैं क्योंकि वे एक ऐसी दुनिया पेश करते हैं, जिसे युवा पाठक पहचान सकते हैं।

इस प्रकार की कहानियाँ सुनने और पढ़ने की संतुष्टि दूसरी क़िताबों में बच्चों की दिलचस्पी बढ़ाएगी।

इस तरह की कहानियों को सुनने या पढ़ने के बाद, छात्र–छात्राओं को निम्न कार्य के लिए आमंत्रित किया जा सकता है:

- कहानी का विस्तार (उदाहरण के लिए, नए पात्र या पशुओं को जोड़ते हुए)
- भिन्न रूप से समापन (शायद श्रृंगेरी श्रीनिवास को उसके बाल झड़ने के बाद विग पहनना पड़ा, क्योंकि अब उसकी खोपड़ी ठंडी थी!)
- इसका अभिनय करें
- कहानी के उनके अपने संस्करण कहें या लिखें
- एक ऐसी ही कहानी तैयार करें (उदाहरण के लिए, एक मगरमच्छ, जिसका 'वार्षिक दंतमंजन दिवस' था, जिसमें 'आज मेरे पास इतने सारे दांत ब्रश करने के लिए समय नहीं है!' वाक्यांश या मुहावरे का बार-बार उपयोग करते हुए)।

अब संसाधन 2 पढ़ें, 'युवती, जिसने साँप से शादी की' पढ़ें।

- यह कहानी *एन्युअल हेयरकट डे* से किस प्रकार अलग है?
- आपके विचार में इस कहानी में चित्र क्यों आवश्यक नहीं हैं?
- क्या आप स्मृति से अपने छात्र–छात्राओं को यह कहानी फिर से सुना सकते हैं?
- क्या कहानी में ऐसे स्थल है, जहाँ आप कठिन शब्दों को आसान शब्दों से अदला–बदली करना चाहेंगे?,
- क्या कहानी को गाने, मारधाड़, संवाद या अतिरिक्त पात्रों के साथ विस्तृत या बेहतर किया जा सकता है?
- क्या इस कहानी के अभिनय में आपके छात्र–छात्राओं को मज़ा आएगा?

'युवती, जिसने साँप से शादी की' पंचतंत्र की एक पारंपरिक कहानी है, जिसकी शुरुआत सभी पारंपरिक कहानियों के परिचय की भाँति 'एक समय की बात है...' वाक्यांश से होता है - जो यह संकेत है कि कहानी शुरू होने वाली है। यह रूपांतरण की एक शानदार कहानी है। इसे किसी समय या स्थान विशेष में स्थापित नहीं किया गया है, फिर भी यह हमारे समकालीन दुनिया जैसा महसूस भी नहीं होता है।

यह काफ़ी गहन, भावनात्मक कहानी है। यह थोड़ा अजीब और परेशान करने वाला महसूस हो सकता है।

*एन्युअल हेयरकट डे* से भिन्न, इस कहानी का लेखन सरल नहीं है, और न ही संवाद रोज़मर्रा की भाषा में है।

जब छात्र–छात्रा इस कहानी को सुनते हैं, तो वे ऐसे जटिल वाक्य और शब्दावली का सामना करते हैं, जिसे वे अपने दम पर नहीं पढ़ पाते। वे एक पारंपरिक कहानी के माध्यम से भाषा के बारे में जानते हैं, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक हिस्सा है।

उसे सुनने के बाद, छात्र निम्न कार्य कर सकते हैं:

- कहानी को पुनः सुनाना
- कहानी के अपने संस्करणों को गढ़ना
- कहानी या अभिनय करना
- पात्रों के बीच संवाद को सुधारना
- दृश्यों को चित्रित करना या रंग भरना
- एक 'पूर्व कड़ी' तैयार करना (वह अभिशाप क्या था जिसने बेटे को साँप बना दिया?)
- कहानी विस्तृत करना (युवती और बेटे का आगे क्या होता है? क्या उनके बच्चे साँप होते हैं?)

- स्कूल या समुदाय के लिए कहानी प्रदर्शित करना।

**ज़रा सोचिये**

- इन दो कहानियों से संबंधित प्रश्नों को पढ़ने और उस पर विचार करने के बाद, क्या आप भाषा शिक्षण और साक्षरता के लिए प्रत्येक कहानी के लाभ देख सकते हैं?

कोई कहानी स्कूल की पाठ्यपुस्तक से नहीं है। दोनों दिलचस्प स्थितियाँ और भाषा की पेशकश करती है जिस पर विचार-विमर्श किया जा सकता है। दोनों पाठों को रूपांतरित और लम्बा, तथा भाषा और साक्षरता गतिविधियों की श्रृंखला के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

संसाधन 3 इस विषय में मार्गदर्शन देता है कि बच्चों के लिए उपयोगी साहित्य का चयन करते समय क्या देखना चाहिए। अब संसाधन 3 पढ़े और अपनी कक्षा में साहित्य संसाधनों के बारे में विचार करें।

## 3 कक्षा में कविता और कहानियों का उपयोग

अगली गतिविधि में आप कविता की भाषा पर ग़ौर करेंगे।

### गतिविधि 4: कविता की सराहना करना

इस छोटी–सी कविता को ज़ोर से पढ़ें, या अपने सहकर्मी को ज़ोर से पढ़ कर सुनाएँ।

**'When Day Is Done' रवींद्रनाथ टैगोर की कविता**

If the day is done
if birds sing no more
if the wind has flagged tired
then draw the veil of darkness thick upon me
even as thou hast wrapt the earth with the coverlet of sleep
and tenderly closed the petals of the drooping lotus at dusk.

अब इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- क्या यह कविता आपको खुश या दुःखी महसूस कराती है? ऐसा क्यों है?
- यह आपको क्या सोचने पर बाध्य करती है?
- क्या आपके विचार में बहुत छोटे बच्चे इसे समझ पाएँगे? क्यों या क्यों नहीं?
- आप 'a thick veil of darkness', 'a coverlet of sleep that wraps the earth' और 'drooping petals' वाक्यांशों/गीत के अंशों की कैसे व्याख्या करेंगे? आप अपने छात्र–छात्राओं को इसे कैसे समझाएँगे?

अपने सहकर्मी से इन वाक्यांशों/गीत के अंशों की व्याख्या साझा करें। क्या आप या आपके छात्र इन काव्य छवियों (poetic images) का चित्र उतार सकते हैं या अभिनय कर सकते हैं?

### ज़रा सोचिये

बहुत कम उम्र वाले बच्चे भी सुनाने पर कविता समझ सकते हैं। वे हर शब्द नहीं समझ सकेंगे, लेकिन वे भाषा की ध्वनि और लय के प्रति लगाव पैदा करना सीख सकते हैं। वे जिन शब्दों और वाक्यांशों को स्वयं पढ़ नहीं पाते, उन्हें भी समझना शुरू कर देंगे।

- कक्षा में आपने किन कविताओं को इस्तेमाल किया है?
- आप किनका उपयोग कर सकते हैं?

अच्छे साहित्य को सुनना छात्र–छात्राओं को इन लिखित शब्दों को स्वयं पढ़ने के लिए तैयार करता है। इस इकाई में अंतिम गतिविधियाँ आपको अपने छात्र–छात्राओं का साहित्य से परिचय करवाने में मार्गदर्शन करती हैं।

स्कूल में दिन भर ऐसे कई पल मिलेंगे, जब आप पूरे समय-सारणी पर बिना कोई प्रभाव डाले एक छोटी कहानी का पद या कविता सस्वर सुना सकते हैं।

शुरुआत के लिए, इन सुनने की गतिविधियों के साथ किसी भाषा या लेखन संबंधी कार्य को न जोड़ें। उन्हें छात्र–छात्राओं के साथ परस्पर बातचीत के आनन्ददायी अवसर बने रहने दें।

### गतिविधि 5: आपकी कक्षा को कविता पढ़ कर सस्वर सुनाना।

1. कोई ऐसी छोटी कविता चुनें जिसे आप अच्छी तरह जानते हैं। उसे याद करें और घर पर या सहकर्मियों के साथ सुनाने का अभ्यास करें।
2. छात्र–छात्राओं को सुनाने के लिए उपयुक्त समय का चयन करें। यह स्कूल के दिन की शुरुआत, भोजन से पहले या बाद में या दिन के अंत में हो सकता है। ब्लैकबोर्ड पर कविता का शीर्षक लिखें।
3. जब आप कविता सुनाएँ तब छात्र–छात्राओं के साथ नज़र मिलाए रखें। आपको कुछ शब्दों को समझाने या ब्लैकबोर्ड पर चित्रित करने की ज़रूरत पड़ सकती है।
4. सप्ताह में, या अगले हफ्ते कविता दोहराएँ, ताकि छात्र–छात्रा उसे समझने लगें।
5. अपने साथ छात्र–छात्राओं को भी दोहराने के लिए कहें, संकेत या अभिनय के साथ भी हो सकता है।
6. संभव हो तो जोड़े या समूहों में, किसी अन्य दिन अपने साथ दोहराने के लिए उन्हें आमंत्रित करें। इन अवसरों का उपयोग उनकी समझ और भाषा संबंधी आत्मविश्वास के अवलोकन करने के लिए करें।

### गतिविधि 6: अपनी कक्षा में ज़ोर से पढ़ कर सुनाना

किसी क़िताब से बच्चों की अच्छी कहानी चुनें। घर पर या सहकर्मियों के साथ ज़ोर से पढ़ते हुए, कहानी को अच्छी तरह समझें।

अपने छात्र–छात्राओं का पुस्तक से परिचय करवाएँ। कक्षा में या किसी पेड़ के नीचे उन्हें अपने इर्द-गिर्द आधा गोल घेरा बना कर बैठने के लिए कहें।

अपने छात्र–छात्राओं को पुस्तक का आवरण दिखाएँ। उनसे पूछें कि उनके विचार में वह किस विषय से संबंधित हो सकता है। यदि आवरण पृष्ठ पर जंगल नज़र आता हो, तो पूछें कि क्या कक्षा में किसी ने कभी कोई जंगल देखा है और वह कैसा था। यदि वह बारिश के बारे में हो, तो अपने छात्र–छात्राओं से पूछें कि वे बारिश को पसंद करते हैं या नहीं, और क्यों। शीर्षक पढ़ें और अनुमान लगाने के लिए कहें कि पुस्तक किस विषय से संबंधित हो सकता है।

पुस्तक दिखायें ताकि हर कोई शब्दों और चित्र को देख सकें। छोटे छात्र–छात्राओं के साथ आप पढ़ते समय अपनी उँगली से शब्दों का अनुसरण कर सकते हैं।

कहानी को धीमे और हाव–भाव के साथ पढ़ें, और जब चित्र आयें, तो उसकी ओर सबका ध्यान आकर्षित करें।

जब आपका पढ़ना ख़त्म हो, तब अपने छात्र–छात्राओं से ये प्रश्न पूछें:

- इस कहानी के संबंध में आपको क्या पसंद आया?
- क्या ऐसी कोई चीज़ थी जो आपको पसंद नहीं आई हो?
- क्या इसमें आपको हैरान करने वाली कोई बात थी? वह क्या था?

उसी सप्ताह, या अगले सप्ताह कहानी को दुबारा पढ़ें, ताकि आपके छात्र उसे समझने लगें।

आपके छात्र–छात्राओं को संभवतः जोड़े या समूहों में कहानी को दुबारा सुनाने के लिए कहें। ग़ौर करें कि कौन-से छात्र कहानी याद कर पा रहे हैं, और कौन-से छात्र उसे विस्तृत या परिवर्तित कर पा रहे हैं। ध्यान से देखें कि कौन-से छात्र दिलचस्पी दिखा और समझ रहे हैं और कौन-से छात्र उदासीन या उलझन में नज़र आ रहे हैं।

आपके छात्र–छात्राओं की प्रतिक्रियाओं से अगली बार उन्हें पढ़ कर सुनाने वाले विषय के चयन को निर्देशित करें।

संसाधन 4 में आपकी कक्षा में कहानी सुनाने के प्रयोग पर कुछ और सुझाव शामिल हैं।

**वीडियो: कहानी सुनाना, गीत, रोल प्ले और नाटक**

**ज़रा सोचिये**

- ऊपर उल्लिखित कविता पाठ और कहानी पठन गतिविधियों का अनुभव किस प्रकार रहा?
- उनमें से प्रत्येक के लिए आपके छात्र–छात्राओं की प्रतिक्रिया किस प्रकार की रही?

यदि आपने अपने छात्र–छात्राओं को कभी कविता पाठ या कहानी पढ़ कर नहीं सुनाया हो, तो पहली बार आपको घबराहट हो सकती है। लेकिन जब आप नियमित रूप से इसे अपने शिक्षण में शामिल करने लगेंगे तो आप तथा आपके छात्र, दोनों इन गतिविधियों के अभ्यस्त हो जाएँगे और आपके छात्र आपकी राह देखने लगेंगे और संभवतः स्वयं कविता या कहानी पढ़ते हुए उसका आनंद उठाने लगेंगे।

## 4 सारांश

इस इकाई में, आपने बच्चों के साहित्य के प्रति अपने ज्ञान का परीक्षण किया और अच्छी गुणवत्ता वाली बाल कहानियों की विशेषताओं पर विचार किया। आपने अपने पाठों में कविता पाठ तथा कहानी सुनाने के अधिक अवसरों को शामिल करने के बारे में भी विचार किया। जब आप अपने शिक्षण में इस तरह की गतिविधियों को नियमित रूप से शामिल करेंगे, तब छात्र उनकी उम्मीद करेंगे और स्वयं आनंद लेने लगेंगे। यह उन्हें स्वयं कहानियाँ और कविताएँ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे उनके साक्षरता विकास में योगदान होगा।

## संसाधन

### संसाधन 1: *एन्युअल हेयरकट डे*

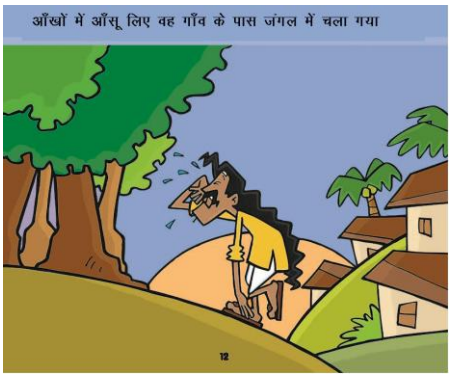

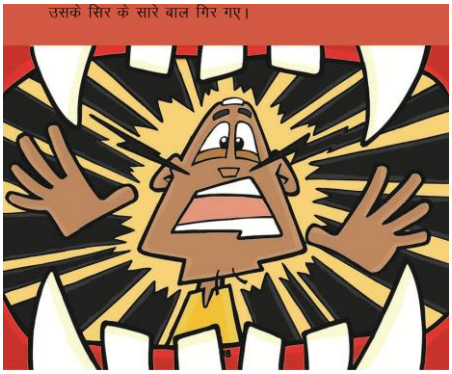


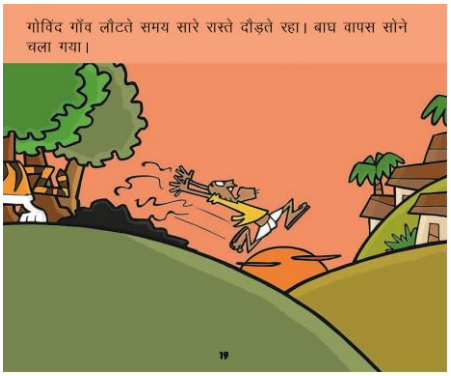


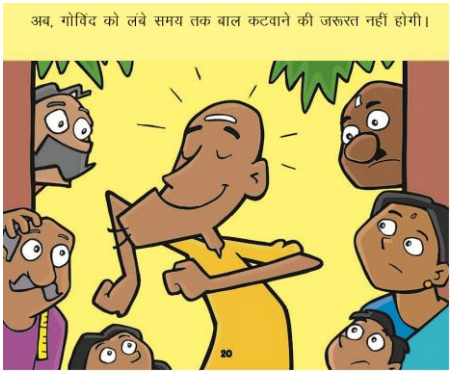


संसाधन 2: 'युवती जिसने साँप से शादी की'

एक समय की बात है, जब गाँव में एक ब्राह्मण अपनी पत्नी के साथ रहता था। दोनों बच्चे न होने के कारण दुःखी थे। हर दिन, वे इसी उम्मीद में प्रार्थना करते थे कि एक न एक दिन उनके घर बच्चा जन्म लेगा। अंततः उनको संतान का सुख प्राप्त हुआ। ब्राह्मण की पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया, लेकिन बच्चा साँप में परिवर्तित हो गया। हर कोई भयभीत था और उन्हें लोगों ने जितनी जल्दी हो सके, साँप से छुटकारा पाने की सलाह दी।

ब्राह्मण की पत्नी अटल रही और उसने किसी की बात नहीं मानी। वह बेटे के रूप में साँप को प्यार करती थी और इस बात की परवाह नहीं की कि उसका शिशु एक साँप है। उसने बड़े प्यार से साँप का पालन-पोषण किया। उसने यथासंभव उसे सबसे अच्छा भोजन खिलाया। उसने साँप के सोने के लिए एक डिब्बे में आरामदायक बिस्तर तैयार किया। साँप बड़ा हुआ और उसकी माँ उसे और भी ज्यादा चाहने लगी। एक अवसर पर, उनके पड़ोस में एक विवाह समारोह संपन्न हो रहा था। ब्राह्मण की पत्नी ने अपने बेटे के विवाह के बारे में सोचना शुरू कर दिया। लेकिन एक साँप से कौन-सी लड़की शादी करना चाहेगी?

एक दिन, जब ब्राह्मण घर लौटा, तो उसने अपनी पत्नी को रोते हुए पाया। उसने पत्नी से पूछा, 'क्या हुआ? तुम क्यों रो रही हो?' उसने जवाब नहीं दिया और अपना रोना जारी रखा। ब्राह्मण ने फिर से पूछा 'बताओ, तुम्हारे दुःख का क्या कारण है?' आख़िरकार उसने कहा, 'मैं जानती हूँ आप मेरे बेटे को नहीं चाहते हैं। आप हमारे बेटे में कोई दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं। वह बड़ा हो गया है। आप उसके लिए दुल्हन लाने की बात भी नहीं सोचते हैं।' ब्राह्मण ऐसे शब्द सुन कर चौंक गया। उसने जवाब

में कहा, 'हमारे बेटे के लिए दुल्हन? क्या तुम्हें लगता है कि कोई लड़की एक साँप से शादी करेगी?'

ब्राह्मण की पत्नी ने कोई जवाब नहीं दिया, लेकिन उसने अपना रोना जारी रखा। पत्नी को इस तरह रोते हुए देखकर ब्राह्मण ने अपने बेटे के लिए दुल्हन की तलाश में बाहर जाने का फ़ैसला किया। उसने कई जगह की यात्रा की, लेकिन ऐसी कोई लड़की नहीं मिली, जो साँप से शादी के लिए तैयार हो जाए। अंत में, वह एक ऐसे बड़े शहर में पहुँचा, जहाँ उसका एक दोस्त रहता था। चूँकि लंबे समय से ब्राह्मण की उससे मुलाक़ात नहीं हुई थी, उन्होंने एक दूसरे से मिलने का फ़ैसला किया।

दोनों दोस्त एक दूसरे से मिल कर बेहद खुश हुए और साथ में अच्छा समय बिताया। बातचीत के दौरान, मित्र ने ब्राह्मण से पूछा कि वह देश भर की यात्रा क्यों कर रहा है। ब्राह्मण ने कहा, 'मैं अपने बेटे के लिए दुल्हन की तलाश कर रहा हूँ।' मित्र ने उन्हें और आगे जाने से मना किया और शादी में अपनी बेटी का हाथ देने का वादा किया। ब्राह्मण चिंतित हुआ और कहा, 'मेरे विचार में यह बेहतर होगा कि इस मामले में कोई निर्णय लेने से पहले तुम मेरे बेटे को देख लो।'

उनके मित्र ने यह कहते हुए मना किया कि वे उसे और उसके परिवार को जानते हैं, इसलिए ज़रूरी नहीं कि वे लड़के को देखे। उसने अपनी बेटी को ब्राह्मण के साथ भेजा ताकि वह उनके बेटे से विवाह कर सके। ब्राह्मण की पत्नी यह जान कर खुश हुई और उसने तेज़ी से विवाह की तैयारी करना शुरू कर दिया। जब गाँव वालों को इस बात का पता चला, तो वे युवती के पास गए और उसे साँप से शादी न करने की चेतावनी दी। युवती ने उनकी बात सुनने से इनकार किया और ज़ोर देकर कहा कि वह अपने पिता के वचन को निभाना चाहती है।

तदनुसार, साँप और युवती की शादी संपन्न हुई। युवती ने अपने पति, साँप के साथ रहना शुरू कर दिया। वह एक समर्पित पत्नी थी और वह एक अच्छी पत्नी की तरह साँप की देखभाल करने लगी। रात को साँप अपने डिब्बे में सोता था। एक रात, जब लड़की सोने जा रही थी, तो उसने अपने कमरे में एक खूबसूरत नौजवान को देखा। वह डर गई और मदद के लिए दौड़ने ही वाली थी। नौजवान युवक ने उसे रोका और कहा, 'डरो मत। क्या तुमने मुझे पहचाना नहीं? मैं तुम्हारा पति हूँ।'

युवती ने उसकी बात पर विश्वास नहीं किया। युवक ने साँप की त्वचा में प्रवेश करके खुद की सच्चाई साबित की और फिर दुबारा नौजवान का रूप धारण किया। युवती मानव रूप में अपने पति को पाकर बेहद खुश हुई और उसके चरणों पर गिर पड़ी। उस रात के बाद से, हर रात वह नौजवान साँप की त्वचा से बाहर निकलने लगा। वह भोर तक अपनी पत्नी के साथ रहता और सुबह होते ही वापस साँप की त्वचा धारण कर लेता था।

एक रात, ब्राह्मण ने अपनी बहू के कमरे से आवाज़ें सुनीं। उसने उन पर नज़र रखी और साँप को एक नौजवान में बदलते हुए देखा। वह कमरे में पहुँचा और साँप की त्वचा को आग में झोंक दिया। नौजवान ने कहा, 'प्रिय पिताजी, बहुत-बहुत धन्यवाद। एक श्राप के कारण मुझे तब तक साँप बने रहना पड़ा, जब तक कि मुझसे पूछे बिना किसी ने साँप के शरीर को नष्ट नहीं कर दिया। आज आपने यह काम कर दिया। अब मैं उस श्राप से मुक्त हो गया हूँ।' इस प्रकार, वह युवक दुबारा साँप नहीं बना और अपनी पत्नी के साथ सुखी जीवन व्यतीत करने लगा।

संसाधन 3: कक्षा के लिए बाल साहित्य का चयन

छात्र–छात्राओं को विविध विषयों पर कहानियों और कविताओं से जोड़ना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

1. छोटे छात्र–छात्राओं की पुस्तकें और कहानियाँ उन्हें निम्न में मदद करती है:
    - अक्षरों, परिचित शब्दों और वाक्यांशों की पहचान करना सीखना।
    - पूर्वानुमान लगाने और शब्दों की व्याख्या करने के लिए चित्रों का उपयोग सीखना।
    - ऐसे शब्द और वाक्य शैली सीखना, जो वे अन्य पठन में लागू कर सकें।
    - पाठक के रूप में विश्वास हासिल करना।

    छोटे बच्चों के लिए उपयुक्त पाठों का चयन करने के लिए आपको निम्न पर ध्यान देना चाहिए:

- घर या सामुदायिक गतिविधियों जैसी परिचित स्थितियाँ
- संख्या, सप्ताह के दिन, मौसम या दिनचर्या जैसे पैटर्न और दृश्य
- रूपांतरण के साथ, दोहराव वाले शब्द और वाक्यांश
- शब्दों और चित्रों के बीच एक दृढ़ संबंध
- दिलचस्प छवियाँ (फ़ोटोग्राफ़, चित्र या आरेख), जिनके बारे में छात्र–छात्रा परस्पर बात कर सकें
- छात्र–छात्राओं की दिलचस्पी को बनाए रखने और उन्हें स्वयं पाठ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु कविता/कहानी की कम लंबाई।

2. बड़े बच्चों के लिए पुस्तकें और कविताएँ उन्हें निम्न में मदद कर सकती हैं:

   - उच्च स्तरीय शब्दावली और वाक्यांशों का प्रयोग सीखना
   - कहानियों और पठन शक्ति का महत्व समझना
   - उनके इतिहास और परंपराओं के बारे में जानना
   - दुविधाओं और समस्याओं के बारे में समझ विकसित करना।

   बड़े बच्चों के लिए उपयुक्त पाठ का चयन करते समय आपको निम्न पर ध्यान देना होगा:

   - रोमांचक कथा और रोचक पात्र
   - नाटकीयता, संघर्ष और समाधान, यात्रा या परिवर्तन
   - हास्य या दिलचस्प संवाद
   - बच्चों को सोचने का मौक़ा
   - महत्त्वपूर्ण संदेश।

संसाधन 4: कहानी सुनाना, गाने, नाटिका और नाटक

विद्यार्थी उस समय सबसे अच्छे ढंग से सीखते हैं जब वे शिक्षण के अनुभव से सक्रिय रूप से जुड़े होते हैं। दूसरों के साथ परस्पर संवाद और अपने विचारों को साझा करने से आपके विद्यार्थी अपनी समझ की गहराई बढ़ा सकते हैं। कहानी सुनाना, गीत, भूमिका अदा करना और नाटक कुछ ऐसी विधियाँ हैं, जिनका उपयोग पाठ्यक्रम के कई क्षेत्रों में किया जा सकता है, जिनमें गणित और विज्ञान भी शामिल हैं।

कथावाचन

कहानियाँ हमारे जीवन को अर्थपूर्ण बनाने में मदद करती हैं। कई पारम्परिक कहानियाँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही हैं। जब हम छोटे थे तब वे हमें सुनाई गई थीं और हम जिस समाज में पैदा हुए हैं, उसके कुछ नियम व मान्यताएँ समझाती हैं।

कहानियाँ कक्षा में बहुत सशक्त माध्यम होती हैं: वे:

- मनोरंजक, उत्तेजक व प्रेरणादायक हो सकती हैं
- हमें रोजमर्रा के जीवन से कल्पना की दुनिया में ले जाती हैं
- चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं
- नए विचार सीखने की प्रेरणा दे सकती हैं
- भावनाओं को समझने में मदद कर सकती हैं
- समस्याओं के बारे में वास्तविकता से अलग और इस कारण कम आशंकाप्रद संदर्भ में सोचने में मदद कर सकती हैं।

जब आप कहानियाँ सुनाते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप नज़र से नज़र मिलाये रखें। यदि आप विभिन्न पात्रों के लिए विभिन्न

स्वरों का उपयोग करते हैं और उपयुक्त समय पर अपनी आवाज़ की तीव्रता और सुर को बदलकर फुसफुसाते या चिल्लाते हैं, तो उन्हें आनन्द आएगा। कहानी की प्रमुख घटनाओं का अभ्यास कीजिए ताकि आप इसे पुस्तक के बिना स्वयं अपने शब्दों में सुना सकें। कक्षा में कहानी को मूर्त रूप देने के लिए आप वस्तुओं या कपड़ों जैसी सामग्री भी ला सकते हैं। जब आप कोई नई कहानी सुनाएँ, तो उसका उद्देश्य समझाना न भूलें और छात्र–छात्राओं को इस बारे में बताएँ कि वे क्या सीख सकते हैं। आपको प्रमुख शब्दावली उन्हें बतानी होगी व कहानी की मूलभूत संकल्पनाओं को बारे में उन्हें जागरूक रखना होगा। आप कोई पारंपरिक कहानी कहने वाला भी विद्यालय में ला सकते हैं, लेकिन सुनिश्चत करें कि जो सीखा जाना है, वह कहानी कहने वाले व छात्र–छात्राओं, दोनों को स्पष्ट हो।

कहानी सुनाना, सुनने के अलावा भी छात्र–छात्राओं की कई गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकता है। छात्र–छात्राओं से कहानी में आए सभी रंगों के नाम लिखने, चित्र बनाने, प्रमुख घटनाएँ याद करने, संवाद बनाने या अंत को बदलने को कहा जा सकता है। उन्हें समूहों में विभाजित करके चित्र या सामग्री देकर कहानी को किसी और परिप्रेक्ष्य में कहने को कहा जा सकता है। किसी कहानी का विश्लेषण कर, छात्र–छात्राओं में कल्पना में से तथ्य को अलग करने, किसी अद्भुत घटना के वैज्ञानिक स्पष्टीकरण पर चर्चा करने या गणित के प्रश्नों को हल करने को कहा जा सकता है।

छात्र–छात्राओं से खुद अपनी कहानी बनाने को कहना बहुत सशक्त उपाय है। यदि आप उन्हें काम करने के लिए कहानी का कोई ढाँचा, सामग्री व भाषा देंगे, तो विद्यार्थी गणित व विज्ञान के जटिल विचारों पर भी खुद अपनी बनाई कहानियाँ कह सकते हैं। वास्तव में, वे अपनी कहानियों की उपमाओं के द्वारा विचारों से खेलते हैं, अर्थ का अन्वेषण करते हैं और कल्पना को समझने योग्य बनाते हैं।

गीत

कक्षा में गीत और संगीत के उपयोग से अलग अलग छात्र–छात्राओं को योगदान करने, सफल होने और उन्नति करने का अवसर मिल सकता है। एक साथ मिलकर गाने से जुड़ाव बनता है और इससे सभी छात्र खुद को इसमें शामिल महसूस करते हैं क्योंकि यहाँ ध्यान किसी एक व्यक्ति के प्रदर्शन पर केंद्रित नहीं होता। गीतों के सुर और लय के कारण उन्हें याद रखना सरल होता है और इससे भाषा व अभिव्यक्ति कौशल के विकास में मदद मिलती है।

संभव है कि आप खुद के आत्मविश्वासी गायक न हों, लेकिन निश्चित रूप से आपकी कक्षा में कुछ अच्छे गायक होंगे, जिन्हें आप अपनी मदद के लिए बुला सकते हैं। आप गीत को जीवंत बनाने और संदेश व्यक्त करने में सहायता के लिए गतिविधि और हावभाव का उपयोग कर सकते हैं। आप उन गीतों का उपयोग कर सकते हैं, जो आपको मालूम हैं और अपने उद्देश्य के अनुसार उनके शब्दों में बदलाव कर सकते हैं। गीत जानकारी को याद करने और याद रखने का भी एक उपयोगी तरीका हैं – यहाँ तक कि सूत्रों और सूचियों को भी एक गीत या कविता के रूप में रखा जा सकता है। आपके छात्र पुनरावृत्ति के उद्देश्य से गीत या भजन बनाने योग्य रचनात्मक भी हो सकते हैं।

रोल प्ले

भूमिका गतिविधि वह होती है, जिसमें छात्र–छात्रा कोई भूमिका निभाते हैं और किसी छोटे परिदृश्य के दौरान, वे उस भूमिका में बोलते और अभिनय करते हैं, तथा वे जिस पात्र की भूमिका निभा रहे हैं, उसके व्यवहार और उद्देश्यों को अपना लेते हैं। इसके लिए कोई पटकथा नहीं दी जाती, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि छात्र–छात्राओं को शिक्षक/शिक्षिका द्वारा पर्याप्त जानकारी दी जाए, ताकि वे उस भूमिका को समझ सकें। भूमिका निभाने वाले छात्र–छात्राओं को अपने विचारों और भावनाओं की त्वरित अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

रोल प्ले के कई लाभ हैं क्योंकि:

- इसमें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर विचारकरके अन्य लोगों की भावनाओं के प्रति समझ विकसित की जाती है।
- इससे निर्णय लेने का कौशल विकसित होता है।

- यह छात्र–छात्राओं को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करती है और सभी छात्र–छात्राओं को योगदान करने का अवसर मिलता है।
- यह विचारों के उच्चतर स्तर को प्रोत्साहित करती है।

भूमिका निभाने से छोटे छात्र–छात्राओं को अलग अलग सामाजिक स्थितियों में बात करने का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद मिल सकती है, उदाहरण के लिए,किसी स्टोर में खरीददारी करने, किसी स्थानीय स्मारक पर पर्यटकों को रास्ता दिखाने या एक टिकट खरीदने का अभिनय करना। आप कुछ वस्तुओं और चिह्नों के द्वारा सरल दृश्य तैयार कर सकते हैं, जैसे 'कैफे', 'डॉक्टर की सर्जरी' या 'गैरेज'। अपने छात्र–छात्राओं से पूछें, 'यहाँ कौन काम करता है?', 'वे क्या कहते हैं?' और 'हम उनसे क्या पूछते हैं?' और उन्हें इन क्षेत्रों की भूमिकाओं में बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें, तथा उनकी भाषा के उपयोग का अवलोकन करें।

नाटक करने से पुराने छात्र–छात्राओं के जीवन के कौशलों का विकास हो सकता है। उदाहरण के लिए, कक्षा में हो सकता है कि आप इस बात का पता लगा रहे हों कि टकराव को किस प्रकार से खत्म किया जाए। इसके बजाय अपने विद्यालय या समुदाय से कोई वास्तविक घटना लें, आप इसी तरह के, लेकिन इससे भिन्न, किसी परिदृश्य का वर्णन कर सकते हैं, जिसमें यही समस्या उजागर होती हो। छात्र–छात्राओं को भूमिकाएँ आवंटित करें या उन्हें अपनी भूमिकाएँ खुद चुनने को कहें। आप उन्हें योजना बनाने का समय दे सकते हैं या उनसे तुरंत भूमिका अदा करने को कह सकते हैं। भूमिका अदा करने की प्रस्तुति पूरी कक्षा को दी जा सकती है या छात्र छोटे समूहों में भी कार्य कर सकते हैं, ताकि किसी एक समूह पर ध्यान केंद्रित न रहे। ध्यान दें कि इस गतिविधि का उद्देश्य भूमिका निभाने का अनुभव लेना और इसका अर्थ समझाना है; आप उत्कृष्ट अभिनय प्रदर्शन या बॉलीवुड के अभिनय पुरस्कारों के लिए अभिनेता नहीं ढूँढ रहे हैं।

भूमिका अदा करने का उपयोग विज्ञान और गणित में भीकरना संभव है। छात्र–छात्रा अणुओं के व्यवहार की नकल कर सकते हैं, और एक-दूसरे से संपर्क के दौरान कणों की विशेषताओं का वर्णन कर सकते हैं या उनके व्यवहार को बदलकर ऊष्मा या प्रकाश के प्रभाव को दिखा सकते हैं। गणित में, छात्र–छात्रा कोणों या आकृतियों की भूमिका निभाकर उनके गुणों और संयोजनों को खोज सकते हैं।

नाटक

कक्षा में नाटक का उपयोग अधिकतर छात्र–छात्राओं को प्रेरित करने के लिए एक अच्छी रणनीति है। नाटक कौशलों और आत्मविश्वास का निर्माण करता है, और उसका उपयोग विषय के बारे में अपने छात्र–छात्राओं की समझ का आकलन करने के लिए भी किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यह दिखाने के लिए कि संदेश किस प्रकार से मस्तिष्क से कानों, आंखों, नाक, हाथों और मुँह तक जाते हैं और वहाँ से फिर वापस आते हैं। टेलीफोनों का उपयोग करके मस्तिष्क किस प्रकार काम करता है इसके बारे में अपनी समझ पर एक नाटक किया गया। या संख्याओं को घटाने के तरीके को भूल जाने के भयानक परिणामों पर एक लघु, मज़ेदार नाटक युवा छात्र–छात्राओं के मन में सही पद्धतियों को स्थापित कर सकता है।

नाटक प्रायः शेष कक्षा, स्कूल के लिए या अभिभावकों और स्थानीय समुदाय के लिए अभिनय की ओर विकसित होता है। यह लक्ष्य छात्र–छात्राओं को कोई चीज प्रदान करेगा, जिसकी दिशा में वे काम करेंगे और उन्हें प्रेरित करेगा। नाटक तैयार करने की रचनात्मक प्रक्रिया से समूची कक्षा को जोड़ा जाना चाहिए। यह जरूरी है कि आत्मविश्वास के स्तरों के अंतरों को ध्यान में रखा जाये। हर एक व्यक्ति का अभिनेता होना जरूरी नहीं है; छात्र अन्य तरीकों से योगदान कर सकत हैं (संयोजन करना, वेशभूषा, प्रॉप्स, मंच पर मददगार) जो उनकी प्रतिभाओं और व्यक्तित्व से अधिक नजदीकी से संबद्ध हो सकते हैं।

यह विचार करना आवश्यक है कि अपने छात्र–छात्राओं के सीखने में मदद करने के लिए आप नाटक का उपयोग क्यों कर रहे हैं। क्या यह भाषा विकसित करने (उदाहरणः प्रश्न पूछना और उत्तर देना), विषय के ज्ञान (उदाहरणः खनन का पर्यावरणात्मक प्रभाव), या विशिष्ट कौशलों (उदाहरणः टीम वर्क) का निर्माण करने के लिए है? सावधानी बरतें कि नाटक का सीखने का प्रयोजन अभिनय के लक्ष्य में खो न जाय।

## अतिरिक्त संसाधन

- There are a number of fiction and non-fiction books for children in the NCERT catalogue, in both Hindi and English, which may be used in activities similar to those described in this unit: http://www.ncert.nic.in/publication/children_books/children_books.html
- A list of children's literature recommended by the Department of Elementary Education in both Hindi and English can be found here on their website: http://www.ncert.nic.in/departments/nie/dee/publication/Print_Material.html
- Other organisations producing literature for children include Room to Read India (http://www.roomtoread.org/Page.aspx?pid=304) and Pratham Books (http://www.prathamusa.org/programs/library, http://blog.prathambooks.org/2010/10/childrens-literature-from-india-and.html)
- Traditional Indian stories: http://www.indiaparenting.com/stories/index.shtml#77
- Indian fables: http://excellup.com/kidsImage/panchtantra/panchatantra_list.aspx

## संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Chambers, A. (2011) *Tell Me: Children, Reading and Talk with The Reading Environment*. Stroud: Thimble Press.

Cremin, T., Mottram, M., Collins, F., Powell, S. and Safford, K. (2009) *Teachers as Readers: Building Communities of Readers 2007-08 Executive Summary*. The United Kingdom Literacy Association. Available from: http://www.ukla.org/downloads/teachers_as_readers.pdf (accessed 18 November 2014).

Dasgupta A. (1995) *Telling Tales: Children's Literature in India*. London: Taylor and Francis.

Duursma, E., Augustyn, M., Zuckerman, B. (2008) 'Reading aloud to children: the evidence', *Archives of Disease in Childhood*, vol. 93, no. 7, pp. 554–7. Available from: http://www.reachoutandread.org/FileRepository/ReadingAloudtoChildren_ADC_July2008.pdf (accessed 18 November 2014).

Gamble, N. (2013) *Exploring Children's Literature: Reading with Pleasure and Purpose*. London: Sage Publications.

Phinn, G. (2009) *Teaching Poetry in the Primary Classroom*. Cambridge: Cambridge University Press.

## अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

संसाधन 1: *एन्युअल हेयरकट डे*, लेखक नोनी, चित्र एंजी और उपेश, © प्रथम बुक्स। http://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/2.5/in/ के अधीन उपलब्ध कराया गया (Resource 1: *Annual Haircut Day*, written by Noni, illustrations by Angie and Upesh, © Pratham Books. Made available under http://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/2.5/in/).।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शक्षिकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।